

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-Section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 94] नई दिल्ली, बुधवार, अप्रैल 2, 1980/चैत्र 13, 1902

No. 94] NEW DELHI, WEDNESDAY, APRIL 2, 1980/CHAITRA 13, 1902

‘इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है’ जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation.

विषय मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 2 अप्रैल, 1980

केन्द्रीय उत्पाद-शूलक

सा.का.नि. 196(अ) :—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शूलक नियम,
1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वाग प्रदन एकियों का प्रयोग करते हुए,
भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व और धीमा विभाग) की अधिगृहना में।

28/75-दृष्टिरूप उत्पाद-शृंखला, नारीभ। माच, 1975 में निम्नालिखित और संबंधित करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिग्रन्थना ये उपाध्याय सारणी में, कम से 1 के सममि (2) की प्रविष्टियों के पश्चात्, विस्तृत व्यापक अनुच्छापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“एस्ट्रॉनोट्रोनिकलिक नन्ड एंड, पर्फेक्शन एक्स्क्लिक तन्त्र भारत में उत्पादित एंड्रोनोट्रोनिकलिक में विनिर्मित किया गया है, उस पर उद्घाहणीय इतने उत्पाद-शृंखला से छूट शाल होगी, जितना प्रति किलोग्राम दस रुपये से अधिक है।”

[न. 33/80-के. उ.श./फा. सं. 357/15/79-टी.आर.यू.]

टी. आर. रस्तगी, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 2nd April, 1980

CENTRAL EXCISES

G.S.R. 196(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 28/75-Central Excise, dated the 1st March, 1975, namely :—

In the Table annexed to the said notification, in S. No. 1, in column (2), after the entries, the following proviso shall be inserted, namely :—

“Provided that acrylic fibre shall be exempted from so much of the duty of excise leviable thereon as is in excess of rupees ten per kilogram if such acrylic fibre has been manufactured from acrylonitrile produced in India.”

[No. 33/80-CE/F. No. 357/15/79-TRU]

T. R. RUSTAGI, Under Secy.